चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम The Tribune, The Times of India
दिनांक 26.5.2019 पृष्ठ सं. 3, 3 कॉलम 1-3, 1

Agriculture incubation centre inaugurated at Hisar varsity

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, MAY 25

A newly established Agri Business Incubation Centre was inaugurated by Chief Secretary DS Desi at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University here on Saturday.

The centre has been set up to provide guidance, technology and infrastructure to the youth and entrepreneurs for creating start-ups in different areas of agriculture with financial assistance of Rs 12 crore provided by NABARD.

The Chief Secretary said there was a need to develop agriculture as an enterprise in the changing scenario of the world. Referring to farmers not getting the right price of their produce, he said the situation had improved considerably now. "With the development of agricultural technologies, there are many options available to farmers with which they can achieve good profits," he said.

Chief Secretary DS Dhesi inaugurates the incubation centre.

Expressing the need to increase start-ups and investment in agriculture, he said there was a shortage of these two, especially in the public sector. "The producer should be directly connected with the consumer so that by removing the middlemen, the farmers can get full value of their produce," he added.

Harsh Kumar Bhanwala, Chairman, NABARD, said there had been a considerable change in agriculture during the last few years and incubation had also increased due to the introduction of new technologies.

Incubation centre at HAU

Hisar: The agri business incubation centre was inaugurated at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University on Saturday by chief secretary D S Dhesi and Harsh Kumar Bhanwala, chairman of NABARD. The centre will provide guidance and infrastructure to aid agriculture start-ups. NABARD will also provide Rs 12 crore financial assistance. TNN

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 26.5.2019 पृष्ठ सं. 20 कॉलम 2-7

कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने की जरूरत : ढेसी

मुख्य सचिव ने किया हकृवि में एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन, सेंटर बनाने के लिए नाबार्ड ने दिए थे12 करोड़

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर शुरू हुआ। मुख्य सचिव डीएस ढेसी और नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने इस सेंटर का उद्घाटन किया। नाबार्ड से सेंटर को करीबन 12 करोड़ रुपये की राशि मिली है।

यह सेंटर आर्थिक सहायता से कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त एवं योजना) टीवीएसएन प्रसाद, कुलपति प्रो. केपी सिंह सहित विवि के प्रबंधन मंडल के लोग उपस्थित रहे। इससे पूर्व मुख्य सचिव ने विवि के सेंटर फॉर बायो-नैनो टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया। कुलपति की अगुवाई में फसल अवशेष प्रबंधन के लिए परिसर में निर्माणाधीन बायोगैस पॉवर जनरेशन प्लांट का भी अवलोकन किया।

मुख्य सचिव डीएस ढेसी और नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का रिबन काटकर उद्घाटन करते हुए।

इंक्यूबेशन सेंटर से यह मिलेगा फायदा

- इंक्यूबेशन सेंटर विश्वविद्यालय में उपलब्ध प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण करेगा।
- उद्यमियों को अपनी यूनिट स्थापित करने में मदद करेगा।
- नौकरियों का सृजन करने एवं छोटे और मझौले उद्यमियों को धन अर्जित करने के लिए कौशल विकसित करने में मदद करेगा।
- सेंटर द्वारा नवाचारों तथा उद्यमियों के एग्री मॉडल्स के परीक्षण और उन्हें उच्च स्तर पर ले जाने में आ रही बाधाओं का निवारण करेगा।
- सेंटर द्वारा क्षमता निर्माण, ज्ञान प्रसार, व्यवसाय विकास, विपणन आदि के संदर्भ में निरंतर पकड़ बनाई जाएगी।
- प्रदेश में स्टार्ट-अप कल्चर को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

उत्पादक को उपभोक्ता के साथ सीधे जोड़ना जरूरी : मुख्य सचिव डीएस ढेसी ने कहा कि विश्व में बदल रहे परिदृश्य में कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। किसानों को उत्पादन का सही दाम नहीं मिलने पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उत्पादन के सही दाम नहीं मिलने की स्थिति में सुधार हुआ है। कृषि टेक्नोलॉजी के विकास से किसानों के पास परम्परागत खेती से हटकर अनेक विकल्प उपलब्ध है। जिन्हें अपनाकर किसान अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि में स्टार्ट-अप और निवेश की सरकारी क्षेत्र में बड़ी कमी है। उत्पादक को उपभोक्ता के साथ जोड़ा जाना चाहिए ताकि बिचालीयों के चंगुल से किसानों को बचाया जा सके और किसानों को मुनाफा हो। एचएयू ने इन्क्यूबेशन सेंटर को इसी सोच के साथ स्थापित किया है।

उपज और पशु उत्पादन में होगी वृद्धि : नाबार्ड चेयरमैन : नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने कहा कि पिछले कुछ सालों में नई टेक्नोलॉजी आने कृषि में बदलाव आया है। इन्क्यूबेशन सेंटर से कृषि उपज और पशु उत्पादन में वृद्धि होगी। किसानों और पशुपालकों की आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने लघु व सीमांत किसानों की पैदावार बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा फार्म मशीनरी उपलब्ध करवाने और एग्री इन्क्यूबेशन सेंटरों की सफलता के लिए उन्हें स्वायत्ता दिए जाने पर बल दिया।

कृषि में व्यवसायीकरण को बढ़ावा दिया जाए : टीवीएसएन प्रसाद : अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त एवं योजना) टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि देश की 60 फीसद ज्यादा लोग कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए है। पहले टेक्नोलॉजी के विकास और खाद्यान्न उत्पादन पर ध्यान दिया जाता था। अब वक्त आ गया है कि कृषि में व्यवसायीकरण को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए अनुसंधान संस्थानों को अपना फोकस बदलना होगा। कृषि में उद्यमियों और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा इन्फ्रास्टक्चर फंड शुरू करने का आह्वान किया ताकि सॉफ्ट लोन मुहैया कराया जा सके।

कृषि शिक्षा से विद्यार्थियों को बनाएंगे उद्यमी : प्रो. केपी सिंह : कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कृषि शिक्षा के बाद नौकरी के बजाय विद्यार्थी अपने भीतर उद्यमी बनने की भावना पैदा करें। उनके अलावा किसान भी एग्रीप्रन्योर बनने के लिए आगे आएं।

हम ऐसे लोगों की हर चीज में सहायता करेंगे, चाहे वो उद्योग शुरू करने की बात हो या उत्पाद की मार्केटिंग की। हम 2020 की शुरुआत में ही अपने एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की सेवाएं शुरू कर देंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हरिभूमि
दिनांक 26.5.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 2-6

सेंटर स्थापना के लिए नाबार्ड ने दी 12 करोड़ की आर्थिक सहायता

कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने की आवश्यकता : ढेसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

- प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस ढेसी ने किया हकृवि में नवस्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन

प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस ढेसी ने कहा कि विश्व में बदल रहे परिदृश्य में कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। मुख्य सचिव ढेसी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को नवस्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त एवं योजना) टी.वी.एस. एन.प्रसाद, कुलपति प्रो. केपी सिंह सहित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन मंडल के सदस्य उपस्थित थे। यह सेंटर नाबार्ड द्वारा प्रदान की गई करीब 12 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता से कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।

हिसार। एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन करते मुख्य सचिव डीएस ढेसी और नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला।

किसानों की स्थिति में काफी सुधार

इस अवसर पर मुख्य सचिव ढेसी ने कहा कि आजादी के बाद देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती खाद्यान्न की थी, जिसका निर्वाण करने में हम सफल रहे हैं। भविष्य में भी हम कृषि क्षेत्र की प्रत्येक चुनौती से निपटने में अवश्य सफल होंगे। उन्होंने किसानों को उत्पादन का सही दाम न मिलने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस स्थिति में अब काफी सुधार हुआ है। कृषि टेक्नोलॉजी के विकास से किसानों के पास परम्परागत खेती से हटकर अनेक विकल्प उपलब्ध हैं जिन्हें अपनाकर वह अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि में निवेश बढ़ाने की जरूरत

ढेसी ने कृषि में स्टार्ट-अप और निवेश बढ़ाने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि फिलहाल विशेषकर सरकारी क्षेत्र में इन दोनों की बहुत कमी है। उन्होंने कहा कि प्रोड्यूसर को कंज्यूमर के साथ जोड़ा जाना चाहिए ताकि बिचौलियों को हटाकर किसानों को उपज का पूरा मूल्य मिल सके। उन्होंने इन्क्यूबेशन सेंटर के संबंध में कहा कि इसकी सफलता के लिए नेतृत्व और परामर्शदाता की महत्वपर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में जिस सोच के साथ इस सेंटर को स्थापित किया गया है और नाबार्ड ने परामर्शदाता की सेवाओं के लिए उत्तरदायित्व लिया है इस स्थिति में इसकी सफलता पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता।

कृषि के स्वरूप में बदलाव आया : भनवाला

नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने कहा कि गत कुछ वर्षों से कृषि के स्वरूप में काफी बदलाव आया है और नई टेक्नोलॉजी आने से इन्क्यूबेशन भी बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा जिस प्रकार कृषि उपज और पशु उत्पादन में वृद्धि हुई है उस स्थिति में प्रसंस्करण को बढ़ावा देना बहुत आवश्यक है। इसमें इन्क्यूबेशन सेंटर महत्वपूर्ण सहयोग दे सकते हैं। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने लघु व सीमांत किसानों की पैदावार बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा फार्म मशीनरी उपलब्ध करवाने और एग्री इन्क्यूबेशन सैंटरों की सफलता के लिए उन्हें स्वायत्ता दिए जाने पर बल दिया। उन्होंने इस सैंटर के लिए हकृवि को हर संभव सहायता दिए जाने का भी आश्वासन दिया।

कृषि में व्यवसायीकरण को बढ़ावा मिले : प्रसाद

अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रसाद ने कहा कि देश में 60-70 प्रतिशत लोग कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या के आर्थिक लाभ के लिए विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा पहले टेक्नोलॉजी के विकास और खाद्यान्न उत्पादन पर ध्यान दिया जाता था लेकिन अब समय आ गया है कि कृषि में व्यवसायीकरण को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए अनुसंधान संस्थानों को अपना फोकस बदलना होगा।

देश में इंक्यूबेशन सेंटर की बहुत जरूरत : कुलपति केपी सिंह

कुलपति प्रो. के.पी.सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कहा कि देश में इन्क्यूबेशन सेंटरों की बहुत आवश्यकता है जिसके लिए प्रोफेशनल संस्थानों को आगे आना चाहिए। वह व्यावसायिक मॉडल तैयार करके अपनी आय को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कृषि में अधिक लाभ के लिए नवचारों की आवश्यकता है। यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों में ही संभव है। इससे स्टार्ट-अप को बढ़ावा मिलेगा।

अनुदान पर कृषि यंत्रों व मशीनों का ड्रा 29 को

हिसार। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के माध्यम से जिला के किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्र व मशीनें उपलब्ध करवाने के लिए 29 मई को ड्रा का आयोजन किया जाएगा। सहायक कृषि अभियंता गोपीराम ने बताया कि वर्ष 2018-19 के दौरान समेस योजना के तहत जिला के किसानों को 20 डीएसआर, 15 मल्टी क्रॉप प्लांटर, 2 रिपर बाइंडर, 2 पैडी ट्रांसप्लांटर, 2 स्ट्रा बेलर, 2 हे-रेक, 8 पीटीओ एचपी या अधिक क्षमता के 30 ट्रैक्टर, 40 व 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि उपरोक्त योजना के तहत लाभार्थी किसानों का चयन करने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा 29 मई को सायं 3 बजे लघु सचिवालय स्थित खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय के हॉल-1 में ड्रा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे इस ड्रा कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी करें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए सहायक कृषि अभियंता से संपर्क किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 26.5.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

एंचएयू में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का चीफ सेक्रेटरी ने किया शुभारंभ, अफसरों और वैज्ञानिकों ने किया मंथन

वैज्ञानिकों के सवालों ने दिलाया समाधान, वित्त विभाग का फंडिंग देने का वादा, नाबार्ड ने कहा- स्टार्ट अप, रास्ते खुलेंगे

वैभव शर्मा | हिसार

टॉप ब्यूरोक्रेट्स, फाइनेंसर और वैज्ञानिक की राय अलग-अलग, लेकिन सबका उद्देश्य बदलाव

एचएयू में शनिवार को एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का चीफ सेक्रेटरी डीएस ढेसी ने शुभारंभ किया। यहां नाबार्ड चेयरमैन डॉ. हर्ष भनवाला, एसीएस- फाइनेंस डॉ. टीवीएसएन प्रसाद, आईआईटी अहमदाबाद से वाइस प्रेसीडेंट विपुल पटेल और कार्यक्रम अध्यक्ष की भूमिका में कुलपति प्रो. केपी सिंह रहे। मगर यह कार्यक्रम सरकारी कार्यक्रमों से कुछ हटकर हुआ। यहां सरकार के उच्च अधिकारी और वैज्ञानिक जब आमने-सामने आए तो एक अलग ही भूमिका दिखाई दी। कृषि के क्षेत्र में रुकावटें कैसे दूर करनी है, प्रोजेक्ट कैसे बनाने हैं और सरकार को करना क्या चाहिए, इन तीन विषयों पर अधिकारी और वैज्ञानिक खुलकर बोले, सिर्फ बोले ही नहीं बल्कि एक दूसरे के रास्ते में आने वाली रुकावटों को भी दूर करने का वादा भी किया। इस दौरान चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि प्रदेश में गिरता जलस्तर चिंता का विषय है, किसानों को उनके उत्पादन का सही दाम न मिलना भी चुनौती है ऐसे में हम चाहते हैं कि ऐसी व्यवस्था बने ताकि समस्या और चुनौती दोनों का समाधान मिले। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ. बीआर कांबोज भी उपस्थित रहे।

परिवार विस्तार से किसानों की जमीन आधा एकड़ तक पहुंची

वित्त विभाग के एसीएस डॉ. टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि मुझे हैरानी होती है कि 65 प्रतिशत लोग खेती करते हैं, मगर जीडीपी में 17 प्रतिशत ही हिस्सेदारी है। अब परिवार बढ़ते जा रहे हैं, अब कुछ ही समय रह गया है जब कृषि करने वाले एक व्यक्ति के पास करीब आधा एकड़ ही जमीन रह जाएगी। ऐसे में वह लोग क्या करेंगे, तब काफी चौकाने वाली स्थिति होगी। फूड अब आवश्यक गुड्स नहीं, बल्कि समय आ गया है कि फूड को लग्जरी गुड्स में तब्दील किया जाए। पैकेजिंग, ब्रांडिंग और बड़े मार्केटों तक पहुंच किसानों को करनी होगी। हमारे सामने कई उदाहरण हैं, पधाना गांव में टमाटर होता है बिचौलिए उनसे 2 से 9 रुपए तक खरीद कर दिल्ली की मंडी में 45 रुपए में बेच देते हैं और दिल्ली की मंडी इसी माल को 65 से 85 रुपए में बेकती है। ऐसे स्टार्टअप खड़े करने होंगे जो किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाएं। उन्होंने कुलपति को कहा एचएयू ऐसे प्रोजेक्ट लाएं जिसमें किसानों की ग्राउंड स्तर पर बड़ी समस्याएं दूर हों। उन्होंने वादा किया कि ऐसा करने के लिए वित्त विभाग पूरे प्रदेश के लिए फंडिंग देगा।

सुबह 9 से 5 बजे तक कोई क्लास लेगा तो कैसे शुरू होगा स्टार्टअप

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि देश में पढ़ाई का एक अलग सिस्टम है। हम विदेशों में देखते हैं तो हमें कई बदलाव की जरूरत है। क्योंकि बच्चे सुबह 9 से सायं 5 बजे तक पढ़ते हैं और टीचर सिर्फ टीचिंग ही नहीं, बल्कि दूसरे कामों में उलझे रहते हैं। स्टार्ट अप क्लास में पढ़ाने से नहीं, बल्कि फील्ड में उतरने से आएगा। विदेशों में इस इन्क्यूबेशन सेंटर्स से जुड़े प्रोफेसर्स खुद की 5-5 कंपनियां चला रहे हैं, तब वह अनुभव सांझा कर पाते हैं। अब समय आ गया है कि हमें सोचना होगा कि हमें बदलाव की ओर बढ़ने के लिए कुछ सख्त फैसले लेने होंगे।

इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए नियमों को बदलना भी पड़े तो बदलें

नाबार्ड के चेयरमैन डॉ. हर्ष कुमार बताते हैं कि देश में 1500 एग्रीकल्चर स्टार्टअप हैं, जिनमें करीब 1500 करोड़ रुपए ही लगे हैं। यह काफी कम है। इन्क्यूबेशन सेंटर से ऐसा काम हो कि किसानों को रोजाना आने वाली दिक्कतों को दूर कर सकें। किसान मजदूरों के इंतजार ही करते रहते हैं और खर्चा भी बड़ा होता है ऐसे में इसका कोई समाधान निकले, ऐसी कई समस्याएं हैं जिन्हें दूर किया जा सकता है। कुलपति अपनी मॉनीटरिंग में इन्क्यूबेशन सेंटर को रखें मगर यहां का काम किसी सरकारी नियमों से बांधकर नहीं बल्कि स्वायत्त संस्था की तरह चलाएं। चाहें इसके लिए नियम बदलने पड़ें तो नाबार्ड आपके साथ है।

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्देश्य

इस सेंटर के माध्यम से प्रदेश में किसानों को उद्यमी बनाने के लिए उन्हें जमीनी स्तर से लेकर उद्योग स्थापित करने और फिर चलाने तक की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद उनके प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग भी एक्सपर्ट लोग करेंगे। इसका उद्देश्य है कि किसान अब फूड प्रोडक्ट सिर्फ खेतों में न उगाएं बल्कि ब्रांडिंग, पैकेजिंग कर मार्केट में एक व्यवसाय स्थापित करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 26.5.2019 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 1-3

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का शुभारंभ

प्रदेश के गांवों में ड्रोन उड़ाने वाले युवा बताए एचएयू, वित्त विभाग 1 हजार ड्रोन देने को तैयार

भास्कर न्यूज | हिसार

मुख्य सचिव ने कहा, सरकारी क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और स्टार्टअप दोनों की जरूरत

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का चीफ सेक्रेटरी डीएस ढेसी ने शुभारम्भ किया। इस सेंटर को नाबार्ड के सहयोग से 12 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। खास बात है कि जब बात स्टार्टअप की हो रही थी तो यहां आए वित्त विभाग के सचिव ने एचएयू को प्रस्ताव दिया कि अगर वह गांव से ऐसे युवा दे सकती है जो ड्रोन उड़ा सकें तो वित्त विभाग पूरे प्रदेश के लिए 1 हजार ड्रोन खरीद सकता है।

ताकि किसान अपने खेतों में ड्रोन से स्प्रै कर सके। उन्होंने कहा कि हम 10 गांव का एक क्लस्टर बनाकर ड्रोन दे सकते हैं, जो इन्हें ऑपरेट करेगा वह सरकार के नियमों से चार्ज लेगा। उन्होंने कहा यह एक सुझाव है अगर ऐसी संभावना बनती हैं तो इस पर सरकार विश्वविद्यालय के साथ है। यह सेंटर विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। इस दौरान नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने इस सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर एसीएस (वित्त एवं योजना) टीवीएसएन प्रसाद, कुलपति प्रो. केपी सिंह सहित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

एचएयू में नवनिर्मित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर को देखते मुख्य सचिव डीएस ढेसी, एसीएस फाइनेंस व कुलपति प्रो. केपी सिंह।

मुख्य सचिव ढेसी ने कहा कि सरकारी क्षेत्र में कृषि में स्टार्ट-अप और निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। इन दोनों की सरकारी क्षेत्र में बहुत कमी है। उन्होंने कहा कि प्रोड्यूसर को कंज्यूमर के साथ जोड़ा जाना चाहिए ताकि बीचौलियों को हटाकर किसानों को उपज का पूरा मूल्य मिल सके। उन्होंने इन्क्यूबेशन सेंटर के संबंध में कहा कि इसकी सफलता के लिए नेतृत्व और परामर्शदाता की महत्तवपूर्ण भूमिका है। वहीं नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने नई तकनीकी और स्टार्टअप की संभावनाओं पर जोर दिया।सॉफ्ट लोन के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड जरूरी एसीएस (वित्त एवं योजना) टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि स्टार्ट अप के लिए फंड मिलने में काफी दिक्कत आती है। सिस्टम से जूझना पड़ता है अब समय आ गया है कि कृषि में उद्यमियों और नवाचार को बढ़ावा देना होगा।

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर में यह होगा कार्य

1 कृषि में नवाचारों, कौशल निर्माण और कृषि एवं सम्बद्ध विषयों में उद्यमियता विकास का यह काम करेगा।

2 यह सेंटर इंडस्ट्रीज और उद्यमियों से संबंध स्थापित करेगा। इसके साथ ही विभिन्न प्रोडक्ट को लेकर रिसर्च को लेकर एक मंच प्रदान करेगा।

3 कृषि प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण और स्टार्ट-अप कंपनियों के बिजनेस की स्थापना के लिए मार्गदर्शन करना व कार्य की सफलता और स्थिरता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान करना इस केन्द्र के मुख्य कार्य होंगे।

स्टार्टअप के लिए ब्याज मुक्त या कम ब्याज में मिले लोनः प्रो. केपी सिंह

कुलपति प्रो सिंह ने कहा कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप को ब्याज मुक्त या कम ब्याज पर ऋण मिलने चाहिए। ताकि इन प्रयासों को अच्छी शुरुआत मिल सके। इन्क्यूबेशन सेंटर के सफल संचालन के लिए अधिक संख्या में परामर्शदाता होने चाहिए। कार्यक्रम के आरंभ में कुलसचिव डॉ. बी.आर.कंबोज ने अतिथियों का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 26.5.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-5

युवाओं और उद्यमियों को स्टार्टअप के लिए मार्गदर्शन देगा एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर

एचएयू में स्थापित हुए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस ढेसी ने किया उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

एचएयू में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन करते मुख्य सचिव डीएस ढेसी और नाबार्ड चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नव स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का शनिवार को शुभारंभ हुआ। यह सेंटर नाबार्ड द्वारा प्रदान की गई करीब 12 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता से कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।

प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस ढेसी और नाबार्ड चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद, कुलपति प्रो. केपी सिंह सहित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने की जरूरत

मुख्य सचिव ढेसी ने कहा कि विश्व में बदल रहे परिदृश्य में कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। आजादी के बाद देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती खाद्यान्न की थी, जिसका निर्वाण करने में हम सफल रहे हैं। भविष्य में भी हम कृषि क्षेत्र की प्रत्येक चुनौती से निपटने में अवश्य सफल होंगे। उन्होंने किसानों को उत्पादन का सही दाम न मिलने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस स्थिति में अब काफी सुधार हुआ है। कृषि तकनीकी के विकास से किसानों के पास परंपरागत खेती से हटकर अनेक विकल्प उपलब्ध हैं, जिन्हें अपनाकर वह अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं।

सरकारी क्षेत्र में स्टार्टअप और निवेश की कमी

ढेसी ने कृषि में स्टार्ट-अप और निवेश बढ़ाने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि फिलहाल विशेषकर सरकारी क्षेत्र में इन दोनों की बहुत कमी है। प्रोड्यूसर को कंज्यूमर के साथ जोड़ा जाना चाहिए, ताकि बिचौलियों को हटाकर किसानों को उपज का पूरा मूल्य मिल सके। उन्होंने इन्क्यूबेशन सेंटर के संबंध में कहा कि इसकी सफलता के लिए नेतृत्व और परामर्शदाता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

किसानों की आमदनी बढ़ेगी

नाबार्ड चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने कहा कि गत कुछ वर्षों से कृषि के स्वरूप में काफी बदलाव आया है और नई तकनीक आने से इन्क्यूबेशन भी बढ़ने लगा है। जिस प्रकार कृषि उपज और पशु उत्पादन में वृद्धि हुई है, उस स्थिति में प्रसंस्करण को बढ़ावा देना बहुत आवश्यक है। इसमें इन्क्यूबेशन सेंटर महत्वपूर्ण सहयोग दे सकते हैं। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इससे पहले मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय में स्थापित सेंटर फॉर बायो-नैनो टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया और फसल अवशेष प्रबंधन के लिए परिसर में निर्माणाधीन बायोगैस पावर जेनरेशन प्लांट का भी अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून

दिनांक 26.5.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-5

मुख्य सचिव ने किया उद्घाटन

हकृवि में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू

हिसार में शनिवार को मुख्य सचिव डीएस ढेसी हकृवि में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन करते हुए। -निस

हिसार, 25 मई (निस)

प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस ढेसी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) में शनिवार को एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया और कहा कि विश्व में बदल रहे परिदृश्य में कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि यह सेंटर नाबार्ड द्वारा प्रदान 12 करोड़ की आर्थिक सहायता से कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। इस मौके पर नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त एवं योजना) टीवीएस एन.प्रसाद, कुलपति प्रो. केपी सिंह सहित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन मंडल के सदस्य उपस्थित थे। नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने कहा कि जिस प्रकार कृषि उपज और पशु उत्पादन में वृद्धि हुई है, उस स्थिति में प्रसंस्करण को बढ़ावा देना बहुत आवश्यक है। इसमें इन्क्यूबेशन सेंटर महत्वपूर्ण सहयोग दे सकते हैं। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह सेंटर उद्यमियों/उद्योगों से संबंध विकसित करेगा और उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हेतु अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के साथ बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम प्रातःकाल पक्ष

दिनांक 26.5.2019. पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

मुख्य सचिव डी.एस.ढेसी ने किया हकृवि में नवस्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर का उद्घाटन

हिसार, 26 मई (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नवस्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर का शुभारम्भ हुआ। यह सैंटर नाबार्ड द्वारा प्रदान की गई करीब 12 करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता से कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए युवाओं व उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। मुख्य सचिव डी.एस.ढेसी और नाबार्ड के चेयरमैन हर्ष कुमार भनवाला ने इस सैंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त एवं योजना) टी.वी.एस.एन. प्रसाद, कुलपति प्रो. के.पी. सिंह सहित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन मंडल के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि विश्व में बदल रहे परिदृश्य में कृषि को उद्यम के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा आजादी के बाद देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती खाद्यान्न की थी जिसका निर्वाण करने में हम सफल रहे हैं। भविष्य में भी हम कृषि क्षेत्र की प्रत्येक चुनौती से निपटने में अवश्य सफल होंगे। उन्होंने किसानों को उत्पादन का सही दाम न मिलने का उल्लेख करते हुये कहा इस स्थिति में अब काफी सुधार हुआ है। कृषि तकनीकी के विकास से किसानों के पास परम्परागत खेती से हटकर अनेक विकल्प उपलब्ध हैं जिन्हें अपनाकर वह अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कहा कि देश में इन्क्यूबेशन सैंटरों की बहुत आवश्यकता है जिसके लिए प्रोफैशनल संस्थानों को आगे आना चाहिए। यह व्यावसायिक मॉडल तैयार करके अपनी आय को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कृषि में अधिक लाभ के लिए नवाचारों की आवश्यकता है। यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों में ही संभव है। इससे स्टार्ट-अप को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने भी स्टार्ट-अप को ब्याज मुक्त या कम ब्याज पर ऋण दिये जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा इन्क्यूबेशन सैंटर के सफल संचालन के लिए अधिक संख्या में परामर्शदाता होने चाहिए। कार्यक्रम के आरंभ में कुलसचिव डॉ. वी.आर.कंबोज ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने उपरोक्त सैंटर के बारे में कहा कि यह कृषि में नवाचारों, कौशल निर्माण और कृषि एवं सम्बद्ध विषयों में उद्यमिता विकास को ध्यान में रखकर स्थापित किया गया है। यह सैंटर उद्यमियों/उद्योगों से संबंध विकसित करेगा और उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हेतु अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के साथ बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इनके अलावा कृषि प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण और स्टार्ट-अप कंपनियों के बिजनेस की स्थापना के लिए मार्गदर्शन करना व कार्य की सफलता और स्थिरता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान करना इस केन्द्र के मुख्य कार्य होंगे। उन्होंने कहा इस सैंटर की सहायता से राज्य के कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। इससे स्टार्ट-अप कल्चर को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे पूर्व मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय में स्थापित सैंटर फॉर बायो-नैनोटैक्नालॉजी का उद्घाटन किया और कुलपति की अगुवाई में फसल अवशेष प्रबंधन के लिए परिसर में निर्माणाधीन बायोगैस पॉवर जनरेशन प्लांट का भी अवलोकन किया। विश्वविद्यालय में सैंटर फॉर बायो-नैनोटैक्नालॉजी की स्थापना कृषि और खाद्य उद्योग में नैनोटैक्नालॉजी की क्रांति लाने की सक्षमता के दृष्टिगत की गयी है। इस सैंटर में युवा शोधकर्ताओं को शिक्षा और अनुसंधान के अवसर प्रदान करने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ बहुआयामी अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।